*2014-15 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के दौरान भारत के भुगतान-संतुलन की गतिविधियां**

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा भारत के भुगतान-संतुलन (बीओपी) के आंकड़े एक तिमाही के अंतराल पर तिमाही आधार पर निर्गत किए जाते हैं। इस लेख में 2014-15 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के दौरान भारत के भुगतान-संतुलन में हुई प्रमुख गतिविधियों का उल्लेख किया गया है।

मुख्य-मुख्य बातें

- 2014-15 की दूसरी तिमाही में भारत के चालू खाते का घाटा पिछली तिमाही की तुलना अपेक्षाकृत अधिक रहा, इसका मुख्य कारण व्यापार घाटा अधिक होना है (सारणी 1)।
- वैश्विक मांग स्थिति कमजोर बनी रहने के कारण पण्य निर्यात वृद्धि धीमी हुई है, जबकि आयात में काफी वृद्धि दर्ज की गई है।
- 2014-15 की दूसरी तिमाही में निवल सेवाएं प्राप्तियों में पिछले एक वर्ष के स्तर की तुलना में सुधार देखा गया, इसका मुख्य कारण दूरसंचार, कंप्यूटर और सूचना सेवाओं में वृद्धि होना है (सारणी 2)।
- प्राथमिक आय जिसमें निवेश आय और कर्मचारियों को दी गई क्षतिपूर्ति शामिल हैं, के चलते निवल बहिर्वाह 2014-15 की दूसरी तिमाही में जारी रहा, इसका मुख्य कारण भारत में संविभाग निवेश के लाभांश और एनआरई जमाराशियों के भुगतान में तेजी से वृद्धि होना है।
- 2014-15 की दूसरी तिमाही के दौरान द्वितीय आय जिसमें मुख्यतः विप्रेषण शामिल हैं, के तहत निवल प्राप्तियों में पिछले एक वर्ष (एनआरआई जमाराशियों से किया गया स्थानीय आहरण 2014-15 की पहली छमाही में कुल निजी अंतरण का 37.5 प्रतिशत था) की तुलना में सुधार देखा गया है (सारणी 2 और 3)।
- 2014-15 की दूसरी तिमाही के दौरान चालू खाते का घाटा 2013-14 की दूसरी तिमाही के जीडीपी के 1.7 प्रतिशत से बढ़कर जीडीपी का 2.0 प्रतिशत हो गया।
- निवल पूंजी अंतर्वाह में एफडीआई का अधिक अंतर्वाह होने के कारण बढ़ोतरी हुई है किंतु एफआईआई प्रवाह में तेज गिरावट देखी गई है (सारणी 4)।
- 2014-15 की पहली छमाही के दौरान एफडीआई अंतर्वाह (वर्ष-दर-वर्ष आधार पर) में बढ़ोतरी निर्माण क्षेत्र को छोड़कर सभी प्रमुख क्षेत्रों में हुई है और मुख्यतः इसका स्रोत मॉरिशस, यूएसए, सिंगापुर, यूके, जापान और निदरलैंड थे (सारणी 6)।
- दूसरी तरफ, 2014-15 की पहली छमाही के दौरान (सारणी 5) भारत द्वारा प्रमुख क्षेत्रों में किए गए विदेशी प्रत्यक्ष निवेश में कमी दर्ज की गई और सिंगापुर भारत के जावक एफडीआई का प्रमुख स्थान बना रहा (सारणी 6 और 7)।
- 2014-15 की दूसरी तिमाही के दौरान जमा स्वीकार करने वाले निगमों (वाणिज्यिक बैंक) द्वारा लिए गए ऋणों (निवल) में बहिर्वाह दर्ज किया गया, इसका मुख्य कारण सीमापार उधारियों की अधिक चुकौती और बैंकों की सीमापार विदेशी मुद्रा आस्तियों का बढ़ना है।
- अन्य क्षेत्र (अर्थात बाह्य वाणिज्यिक उधारियां) के ऋण (निवल) की राशि 2013-14 की दूसरी तिमाही के 1.3 बिलियन अमरीकी डॉलर की तुलना में थोड़ा अधिक अर्थात 1.4 बिलियन अमरीकी डॉलर रही।
- 2014-15 की दूसरी तिमाही में एनआरआई जमाराशियों का निवल अंतर्वाह पिछले वर्ष की समान अवधि में दर्ज किए गए स्तर की तुलना में कम रहा।
- व्यापार उधार और अग्रिम के अंतर्गत निवल अंतर्वाह 2013-14 की दूसरी तिमाही के 1.9 बिलियन अमरीडी डॉलर की तुलना में काफी कम अर्थात 0.2 बिलियन अमरीकी डॉलर रहा।
- 2014-15 की पहली छमाही के दौरान 'अन्य प्राप्य/देय' जिसमें 'निर्यात में कमी-बेशी', 'विदेश में धारित निवल निधि', 'प्राप्त

* भारतीय रिज़र्व बैंक, मुंबई के आर्थिक और अनुसंधान विभाग के अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वित्त प्रभाग द्वारा तैयार किया गया। बीओपी पर टाइम सिरीज़ डाटा भारतीय रिज़र्व बैंक की वेबसाइट dbie.rbi.org.in पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, अदृश्य मदों पर अलग-अलग तिमाही के आंकड़े भारतीय रिज़र्व बैंक की वेबसाइट पर अलग-अलग निर्गत किए जा रहे हैं।

अग्रिम जिसके संबंध में एफडीआई के अंतर्गत शेयर जारी किये जाने हैं' और अन्यत्र शामिल नहीं की गई अन्य पूंजी शामिल हैं, में पिछले वर्ष की इसी अवधि के 5.2 बिलियन अमरीकी डॉलर के बहिर्वाह की तुलना में 3.4 बिलियन अमरीकी डॉलर का निवल बहिर्वाह दर्ज किया गया (सारणी 8)।

- भुगतान-संतुलन आधार[1] पर, 2014-15 की दूसरी तिमाही में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 6.9 बिलिलन अमरीडी डॉलर की निवल वृद्धि दर्ज की गई जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान 10.4 बिलियन अमरीडी डॉलर की गिरावट दर्ज की गई थी (सारणी 1)।

[1] परस्पर लेन-देन की मुद्रा में घट-बढ़ होने के कारण रिज़र्व में हुए मूल्यन परिवर्तन को छोड़कर

सारणी 1 : भारत के भुगतान संतुलन की प्रमुख मदें

(बिलियन अमरीकी डॉलर)

	अप्रैल- सितंबर			जुलाई-सितंबर
	2014-15 (प्रा.)	2013-14 (आंसं)	2014-15 (प्रा.)	2013-14 (आंसं)
1.वस्तुओं का निर्यात	167.0	155.2	85.3	81.2
2. वस्तुओं का आयात	240.2	238.9	123.8	114.5
3. व्यापार शेष (1-2)	**-73.2**	**-83.8**	**-38.6**	**-33.3**
4. सेवाओं का निर्यात	75.9	73.2	38.4	36.7
5. सेवाओं का आयात	39.9	37.9	19.4	18.3
6. निवल सेवाएं (4-5)	**36.1**	**35.2**	**19.0**	**18.4**
7. वस्तुओं और सेवाओं का शेष (3+ 6)	**-37.1**	**-48.6**	**-19.6**	**-14.9**
8. प्राथमिक आय, निवल (कर्मचारियों की क्षतिपूर्ति तथा निवेश आय)	-13.6	-11.2	-6.9	-6.3
9. द्वितीयक, निवल (निजी अंतरण)	32.8	32.8	16.3	16.1
10. निवल आय (8+9)	**19.2**	**21.6**	**9.5**	**9.8**
11. चालू खाते का शेष (7+10)	**-17.9**	**-26.9**	**-10.1**	**-5.2**
12. पूंजी और वित्तीय लेखे का शेष, निवल (रिजर्व में परिवर्तन को छोड़कर)	**38.5**	**15.8**	**18.7**	**-4.8**
13. रिजर्व में परिवर्तन (-) वृद्धि/ (+) कमी	-18.1	10.7	-6.9	10.4
14. भूल-चूक (-) (11+12+13)	-2.5	0.5	-1.7	-0.4

प्रा : प्रारंभिक आं.सं. :आंशिक रूप से संशोधित

सारणी 2: चालू खाते का मदवार ब्यौरा (निवल)

(बिलियन अमरीकी डालर)

	अप्रैल- सितंबर		जुलाई-सितंबर	
	2014-15 (प्रा.)	2013-14 (आंसं)	2014-15 (प्रा.)	2013-14 (आंसं)
1. वस्तुएं	**-73.2**	**-83.8**	**-38.6**	**-33.3**
2. सेवाएं	**36.1**	**35.2**	**19.0**	**18.4**
2.क. परिवहन	1.0	1.1	0.4	0.7
2.ख. यात्रा	1.3	1.7	0.9	0.9
2.ग. निर्माण	0.28	0.00	0.06	0.0
2.घ. बीमा तथा पेंशन सेवाएं	0.6	0.5	0.3	0.3
2.ङ. वित्तीय सेवाएं	0.7	0.2	0.5	0.7
2.च. बौद्धिक संपदा के उपयोग के लिए शुल्क	-2.0	-1.5	-0.8	-0.5
2.छ. संचार, कंप्यूटर और सूचना सेवाएं	34.2	32.9	17.0	16.6
2.ज. वैयक्तिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन सेवाएं	-0.1	0.3	-0.1	0.1
2.झ. सरकारी वस्तु और सेवाएं	-0.2	-0.3	-0.1	-0.2
2.ञ. अन्य कारोबारी सेवाएं	1.1	1.0	0.3	0.4
2.ट. अन्य, अन्यत्र शामिल नहीं की गई	-0.6	-0.5	0.5	-0.6
3. प्राथमिक आय	**-13.6**	**-11.2**	**-6.9**	**-6.3**
3.क. कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	0.3	0.2	0.1	0.1
3.ख. निवेश आय	-14.2	-11.7	-7.2	-6.6
3.ग. कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	0.3	0.3	0.2	0.2
4. द्वितीयक आय	**32.8**	**32.8**	**16.3**	**16.1**
4.क. वैयक्तिक अंतरण	33.1	33.1	16.5	15.7
4.ख. अन्य अंतरण	-0.4	-0.3	-0.2	-0.2
5. चालू खाता (1+2+3+4)	**-17.9**	**-26.9**	**-10.1**	**-5.2**

प्रा. प्राथमिक आंसं: आंशिक रूप में संशोधित

सारणी 3: भारत को प्राप्त निजी अंतरण का ब्यौरा

(बिलियन अमरीकी डॉलर)

वर्ष	कुल निजी अंतरण	*जिसमें से :*			
		परिवार के भरण-पोषण के लिए प्राप्त आवक		स्थानीय आहरण /एनआरआई जमाराशियों की चुकौती	
		राशि	कुल के प्रतिशत के रूप में	राशि	कुल के प्रतिशत के रूप में
2013-14	69.6	37.9	54.4	29.2	41.9
2012-13	67.6	33.0	48.9	32.0	47.2
अप्रै-सितं 2014-15 (प्रा.)	34.9	20.5	58.7	13.1	37.5
अप्रै-सितं 2012-13 (आंसं.)	35.2	18.3	52.0	15.6	44.2

प्रा.: प्रारंभिक आंसं.: आंशिक रूप से संशोधित

सारणी 4: वित्तीय लेखों का मदवार ब्यौरा (निवल)

(बिलियन अमरीकी डॉलर)

	अप्रैल- सितंबर		जुलाई-सितंबर	
	2014-15 (प्रा.)	2013-14 (आंसं)	2014-15 (प्रा.)	2013-14 (आंसं)
1. प्रत्यक्ष निवेश	**16.2**	**14.6**	**8.0**	**8.1**
1.क. भारत में प्रत्यक्ष निवेश	16.8	15.2	8.5	8.7
1.ख. भारत द्वारा प्रत्यक्ष निवेश	-0.6	-0.6	-0.5	-0.6
2. संविभाग निवेश	**22.2**	**-6.8**	**9.8**	**-6.6**
2.क. भारत में संविभाग निवेश	22.3	-7.0	9.9	-6.6
2.ख. भारत द्वारा संविभाग निवेश	-0.14	0.20	-0.1	0.0
3. अन्य निवेश	**0.2**	**9.5**	**3.0**	**-4.7**
3.क. अन्य इक्विटी (एडीआर/जीडीआर)	0.0	0.0	0.0	0.0
3.ख. मुद्रा और जमाराशियां	6.7	13.8	4.2	8.2
केन्द्रीय बैंक (अनिवासी भारतीयों की जमाराशि) को छोड़कर जमाराशि स्वीकार करने वाले निगम				
3.ग. ऋण	-3.2	0.2	-2.2	-5.6
3.ग.i भारत को ऋण	-3.6	-0.4	-2.5	-5.8
केन्द्रीय बैंक को छोड़कर जमाराशि स्वीकार करने वाले निगम	-7.2	-2.4	-4.6	-7.0
सामान्य सरकारी (बाह्य सहायता)	0.8	0.2	0.8	-0.1
अन्य क्षेत्र (ईसीबी)	2.8	1.7	1.4	1.3
3.ग.ii भारत द्वारा दिया गया ऋण	0.4	0.6	0.2	0.2
सामान्य सरकारी (बाह्य सहायता)	-0.2	-0.1	-0.1	0.0
अन्य क्षेत्र (ईसीबी)	0.6	0.7	0.3	0.2
3.घ. व्यापार ऋण और अग्रिम	0.1	0.6	-0.2	-1.9
3.ङ अन्य खाते की प्राप्य एवं देय राशि - अन्य	-3.4	-5.2	1.2	-5.4
4. वित्तीय व्युत्पन्नी	**0.0**	**-2.1**	**-2.0**	**-1.6**
5. रिज़र्व आस्तियां	**-18.1**	**10.7**	**-6.9**	**10.4**
वित्तीय लेखा (1+2+3+4+5)	**20.5**	**25.8**	**11.8**	**5.6**

प्रा. प्रारंभिक; आंसं.: आंशिक रूप में संशोधित

सारणी 5: क्षेत्र-वार विदेशी प्रत्यक्ष निवेश : अंतर्वाह और बहिर्वाह

(बिलियन अमरीकी डॉलर)

भारत में किया गया सकल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश #				भारत द्वारा किया गया सकल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश *			
उद्योग	2013-14	अप्रै.-सितं. 2014	अप्रै.-सितं. 2013	उद्योग	2013-14	अप्रै.-सितं. 2014	अप्रै.-सितं. 2013
विनिर्माण	6.4	4.4	2.9	विनिर्माण	2.7	1.1	1.3
संचार सेवाएं	1.3	0.9	0.0	परिवहन, भंडार और संचार सेवाएं	0.7	0.7	0.5
बिजली और अन्य	1.3	0.8	0.4	वित्तीय, बीमा, स्थावर संपदा और कारोबारी सेवाएं	1.8	0.5	0.8
वित्तीय सेवाएं	1.0	0.6	0.6	थोक, खुदरा व्यापार, रेस्तराँ और होटल	1.1	0.3	0.3
निर्माण	1.3	0.5	0.7	निर्माण	0.2	0.2	0.1
रेस्तराँ और होटल	0.4	0.4	0.1	सामुदायिक, सामाजिक और वैयक्तिक सेवाएं	0.4	0.2	0.1
कंप्यूटर सेवाएं	0.9	0.4	0.1	कृषि, शिकार, वानिकी, मछली पकड़ना	6.3	0.1	0.2
कारोबारी सेवाएं	0.5	0.2	0.2	बिजली, गैस और जल	0.0	0.0	0.0
अन्य	3.0	1.6	1.3	विविध	0.1	0.0	0.0
कुल	**16.1**	**9.8**	**6.3**	**कुल**	**13.3**	**3.1**	**3.3**

#: इसमें केवल एसआईए/ एफआईपीबी और भारतीय रिजर्व बैंक के मार्ग से प्राप्त इक्विटी एफडीआई शामिल है, इसलिए ये आंकड़े अन्य सारणियों से तुलनीय नहीं हैं।
*: इसमें इक्विटी (व्यक्तियों और बैंकों को छोड़कर), ऋण और लागू की गई गारंटी शामिल है इसलिए ये आंकड़े अन्य सारणियों से तुलनीय नहीं हैं।

सारणी 6: देश-वार विदेशी प्रत्यक्ष निवेश : अंतर्वाह और बहिर्वाह

(बिलियन अमरीकी डॉलर)

भारत में किया गया सकल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश #				भारत द्वारा किया गया सकल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश *			
देश	2013-14	अप्रै.-सितं. 2014	अप्रै.-सितं. 2013	देश	2013-14	अप्रै.-सितं. 2014	अप्रै.-सितं. 2013
1. मॉरिशस	3.7	1.6	1.9	1. सिंगापुर	1.5	0.6	0.6
2. यूएसए	0.6	1.4	0.3	2. नीदरलैंड	1.8	0.5	0.5
3. सिंगापुर	4.4	1.3	1.3	3. यूएसए	1.0	0.4	0.5
4. यूके	0.1	1.3	0.0	4. यूएई	0.3	0.3	0.1
5. जापान	1.8	1.1	0.5	5. मॉरिशस	1.3	0.3	0.7
6. नीदरलैंड	1.2	0.8	0.4	6. स्वीज़रलैंड	0.4	0.2	0.1
7. साइप्रस	0.5	0.5	0.3	7. यूके	0.4	0.2	0.1
8. स्पेन	0.2	0.3	0.1	8. जेर्सी	0.0	0.2	0.0
9. मलेशिया	0.1	0.2	0.1	9. साइप्रस	0.1	0.1	0.1
10. अन्य	3.5	1.3	1.4	10. अन्य	6.5	0.3	0.6
कुल	**16.1**	**9.8**	**6.3**	**कुल**	**13.3**	**3.1**	**3.3**

#: इसमें केवल एसआईए/ एफआईपीबी और भारतीय रिजर्व बैंक के मार्ग से प्राप्त इक्विटी एफडीआई शामिल है, इसलिए ये आंकड़े अन्य सारणियों से तुलनीय नहीं हैं।
*: इसमें इक्विटी (व्यक्तियों और बैंकों को छोड़कर), ऋण और लागू की गई गारंटी शामिल है इसलिए ये आंकड़े अन्य सारणियों से तुलनीय नहीं हैं। इस सारणी में शामिल आंकड़े हो सकता है कि बीओपी आंकड़े बाद में अद्यतन होने के कारण सारण 7 में दिए गए आंकड़ों से मेल न खाए।

सारणी 7 : भारत का जावक विदेशी प्रत्यक्ष निवेश

(बिलियन अमरीकी डॉलर)

अवधि	इक्विटी *	ऋण	लागू की गई गारंटी	कुल
अप्रै-सितं 2014-15 (प्रा)	1.18 (43.6)	1.52 (56.1)	0.0 (0.3)	2.7
अप्रै-सितं 2013-14 (आंसं)	1.46 (44.0)	1.85 (55.8)	0.0 (0.3)	3.3
2013-14	9.50 (74.0)	3.28 (25.5)	0.1 (0.5)	12.8
2012-13	6.47 (58.4)	4.55 (41.1)	0.1 (0.5)	11.1

*: इक्विटी के आंकड़ों में व्यक्तियों और बैंकों की इक्विटी शामिल नहीं हैं।

टिप्पणी : कोष्ठकों के आंकड़े अवधि के दौरान कुल जावक एफडीआई में प्रतिशत हिस्सा दर्शाते हैं।

सारणी 8: 'अन्य प्राप्तियां/भुगतान' (निवल) के ब्योरे

(बिलियन अमरीकी डॉलर)

मद	अप्रैल-सितंबर		अप्रैल-सितंबर	
	2012-13	2013-14	2013-14 (PR)	2014-15 (P)
निर्यात में कमी-बेशी	-10.8	-16.9	-8.2	-3.5
विदेश में धारित निवल निधि	-5.2	-6.5	-3.1	-2.4
अग्रिम प्राप्त परंतु एफडीआई के अंतर्गत शेयर जारी किये जाने हैं	9.2	7.5	4.6	1.6
अन्यत्र शामिल नहीं की गई अन्य पूंजी#	4.1	2.5	1.5	0.9
कुल	**-2.7**	**-13.4**	**-5.2**	**-3.4**

#: डेरिवेटिव और हेजिंग, अनिवासियों के अंतरण और अन्य पूंजी अंतरण शामिल हैं।

प्रा. : प्रारंभिक आं.सं. : आंशिक रूप से संशोधित